



523-  
471

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 30]  
No. 30]

नई दिल्ली, रामिकार, अक्टूबर 2, 1982/अस्विना 10, 1904  
NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 2, 1982/ASVINA 10, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सर्वथा दो जाती हैं जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—संख्या 3—उप-खण्ड (iii)  
Part II—Sec. 3—Sub-Sec. (iii)

(संघ राज्यकाल प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं  
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than  
Administrations of Union Territories)

### भारत निर्बाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 7 मिन्तम्बर 1982

कानून 123 निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे दी संख्यों के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट लोक सभा के उप निर्वाचन व विधा जा स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उनके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक प्रत्यार्थी, साथ प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्वीत बताए गए विधायी द्वारा घोषित समय व भीतर और रीति में उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपलिखित रूप में आपने निर्वाचन व्ययों का नेतृत्व दर्खिल करने में असफल रहा है।

श्री उक्त अध्ययिता ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता दे लिए थे, तो फोर्ड कारण अवश्य स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए प्रधानमंत्री पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उनके पास, उक्त असफलता में नियंत्रण फोर्ड पर्याल कारण या अन्योनित नहीं है।

अत अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसारण म लोधी की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को समाद के किसी भी सूचने के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान

परिषद् के सदस्य चुन जान और हान के लिये इस आदेश की नारीक से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करना, है।

### सारणी

संख्या	निर्वाचन की विधान सभा/लोक सभा निर्वाचन-भैत्र	निर्वाचन लड़न की दृष्टि से कारण
नाम	नाम	नाम
1	2	3
4	5	
1	लोक सभा के 10-वें लोक निर्वाचन-भैत्र, नवाचार, नारा-निर्वाचन, 1982	श्री मदानद मारा-यण नवाचार, नारा-यण नवाचारी वा गोखले रोह में असफल
2	लिए उप-सभा निर्वाचन क्षेत्र	यथा नवाचार, नारा-यण नवाचारी वा गोखले रोह में असफल
3	मोटे रोह में असफल	मवपाहा, पोस्ट नोट 400602

[सं. 76/महात्मा/82 (उ) (1)],  
आदेश से,

धर्मकीर्ति, अबर सचिव  
मार्ल निर्वाचन आयोग

**ELECTION COMMISSION OF INDIA**  
**ORDER**

New Delhi, the 7th September, 1982

**O.N. 123.**—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the bye-election to Lok Sabha as specified in column (2) and held from the Constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	S.No. & Name of the Assembly/ Parliamentary Constituency	Name and address of the contesting candidate.	Reason for disqualification.	
1	2	3	4	5
1.	Bye-election to Lok Sabha 1982.	10-Thane Parliamentary Constituency.	Sri Sadanand Narayan Nakhawa, Narayan Nakhawa wadi, Gokhale Road, Naupada, Post Code No. 400602.	Failed to lodge the account of election expenses in the manner required by law.

[No. 76/MT/82 (Bye) (1)]  
By Order,

DHARAMVIR, Under Secy.  
Election Commission of India

आदेश

नई दिल्ली, 7 सितम्बर 1982

**का० आ० 124.**—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट लोक सभा के निर्वाचन के लिए जी स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उनके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्यक्ष अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयोक्ता समय के भीतर और रीति में उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपलब्धित रूप में ग्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दखिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अभ्यर्थी ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अवश्यक नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अभ्यावदनों पर, यदि कोई हो, विवर करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोवित्य नहीं है;

यह, अब निर्वाचन आयोग उक्त अधिनयम की धारा 10-के अनुसार में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट अभ्यर्थी को संसद के कसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस अदेश की तरीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

निर्वाचन की सं० विधानसभा वर्ष	लोक सभा निर्वाचन की सं० विधानसभा वर्ष	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम	निर्वाचन का कारण	
1	2	3	4	5
1. लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1980	7-छपरा	श्री चन्द्रशेखर लेखा	ममता में प्रसाद यादव, माम तथा नीति से ईमाम-इनपुर पो० दाखिल नहीं किया रामपुर, जिल। सराण बिहार	

[सं० 76/बिहार/लो० सं०/80)]

ORDER

New Delhi, the 7th September, 1982

**O.N. 124.**—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the House of the People as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	Particulars of elections	Sl. No. and Name of the Parliamentary Constituency	Name of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Election to House of the People, 1980.	7-Chhpra H.P.	Sri Chander Shekhar Prasad Yadav, Vill. Ismailpur P.O. Rampur, Dist. Saran.	Account no t filed within time and in the manner.

[No. 76/BR-HP/80]

**का० आ० 125.**—यह, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए 7-छपरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मोदवार श्री रामेश्वर प्रसाद सिंह

‘विश्वबन्धु द्वारा’ मी० मध्यनपुरी, दिल्लीद्वा० टीका द्वारा अध्योद्या प्रमाण मित्र अधिवक्ता लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीत बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्ययों का समय के प्रदर्शन तथा रीति से नेतृत्व दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और यह, उक्त उम्मीददार को एक कारण बनाए सूचना जारी की गई थी जो डाक प्रशिक्षियों द्वारा प्रेषिती के उपलब्ध न होने के कारण अवितरित वापस आ गई थी। प्रस्तावी ने अपनी इस प्रसफलता के लिए कोई कारण अवधा० स्पष्टीकरण भी नहीं किया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोनियत नहीं है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-का के अनुमति में निर्वाचन आयोग एवं द्वारा उक्त श्री रामेश्वर प्रसाद मिश्र विश्वबन्धु को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवधा० विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश को तारीख से तीन वर्ष की कलावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० 76/बिहार-लोक सभा/80]

ग्रादेश से,

मनीष बद्र जैन, अवर मंत्री  
भारत निर्वाचित आयोग

**O.N. 125.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rameshwar Prasad Singh “Vishwabandhu”, Mohalla Sadhnapani, Dahiarwan Tola, C/o Shri Ayodhya Prasad Singh Adhibakta, a contesting candidate for general election to the House of the People, Bihar held in June, 1980 from 7-Chhapra Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in manner and within time as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas the said candidate was served with a show-cause notice which was returned undelivered by the Postal Authorities as the addressee was not available. The candidate also has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Rameshwar Pd. Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/BR-HP/80]

By Order,

S. C. JAIN, Under Secy.  
Election Commission of India

